

ज़ेन संग्रह

मौन का उद्यान: कॉर्टेन स्टील में शून्य, समय और ध्यान

ज़ेन संग्रह

मौन का उद्यान: कॉर्टेन स्टील में शून्य, समय और ध्यान

ज़ेन चिंतन संसार की व्याख्या करने से अधिक उसे सीधे देखने का प्रस्ताव रखता है। किसी पत्थर के भार को, रेक की गई बजरी की रेखा को, दो रूपों के बीच के शून्य को ध्यान से देखना ही मन के स्वयं की ओर लौटने का मार्ग है। İlker Yardımcı की "ज़ेन संग्रह" शीर्षक के अंतर्गत एकत्र मूर्तियाँ इसी दृष्टि का निमंत्रण देती हैं: खुले वातावरण में, उद्यानों में, बजरी की ज़मीन और शांत जल-सतहों के बीच स्थापित ये कृतियाँ केवल स्थान में रखी गई वस्तुएँ नहीं, बल्कि उस स्थान के मौन को दृश्यमान बनाने वाले केंद्र-बिंदु हैं।

संग्रह के रूप एक सरल किंतु गहन ज्यामिति पर आधारित हैं: बंद सतह से खुलते गोले, एक खोल के भीतर विश्राम करते गोलाकार पिंड, एक-दूसरे में गुँथे चाप-खंड, स्वयं पर मुड़ती पट्टियाँ, केंद्र में वर्गाकार शून्य धारण करता गोला, छिद्रित जाली से प्रकाश बिखेरती लालटेनें और आकाश की ओर उठते पतले, लहरदार ऊर्ध्व रूप। प्रत्येक कृति पूर्णता से अधिक खुलने के एक क्षण को धारण करती है। जापानी सौंदर्यशास्त्र में "मा" कहा जाने वाला अंतराल यहाँ मूर्ति का सार बन जाता है: काटी गई, खोली गई या छेदी गई सतहें शून्य को रूप की कमी नहीं, बल्कि उसकी साँस बना देती हैं।

ज़ेन उद्यान में पत्थर और बजरी का संबंध "है" और "नहीं है" के बीच का संतुलन है। रेक की गई रेखाएँ जल की गति का, पत्थर पर्वतों और द्वीपों का स्मरण कराते हैं, और शेष रिक्त स्थान वह है जहाँ मन विश्राम करता है। Yardımcı की मूर्तियाँ इस व्यवस्था में सामंजस्य के साथ सम्मिलित होती हैं। बजरी के लयबद्ध वलय कृतियों की वृत्ताकार रेखाओं को प्रतिध्वनित करते हैं, शांत जल-सतहें गोलों और चापों के प्रतिबिंबों को गुणित करती हैं, और बाँस तथा चीड़ जैसे पौधे रूपों के चारों ओर एक प्राकृतिक चौखट रचते हैं। मूर्ति उद्यान पर शासन नहीं करती; वह उसमें सहभागी होती है।

कॉर्टेन स्टील इस सामंजस्य की सामग्री है। समय के साथ इसकी सतह पर बनने वाली जंग की परत कृति की रक्षा भी करती है और उसे बदलती भी है; मूर्ति को एक ऐसी त्वचा मिलती है जो वर्षा, धूप और ऋतुओं के साथ जीती है। मिट्टी, सूखे पत्तों और शरद ऋतु के रंग लिए यह सतह पत्थर, लकड़ी और वनस्पति के साथ एक स्वाभाविक आत्मीयता स्थापित करती है। वाबी-साबी की दृष्टि त्रुटिहीन और अपरिवर्तनीय को नहीं, बल्कि उस सौंदर्य को महत्व देती है जो समय के चिह्न को स्वीकार करता है और पुराना होने के साथ गहराता जाता है। कॉर्टेन स्टील इसी स्वीकृति की ठोस अभिव्यक्ति है: वह क्षणभंगुरता को नकारता नहीं, उसे अपनी सतह पर लिखता है; फिर भी अपनी सुदृढ़ संरचना के कारण एक दीर्घजीवी उपस्थिति बना रहता है। परिवर्तन और स्थायित्व एक ही देह में मेल पाते हैं।

प्रकाश भी इस ध्यान-स्थल का अंग है। सूर्यास्त के समय जंग के गर्म रंग सिंदूरी हो उठते हैं, और रात में छिद्रित गोलों के भीतर से छनता प्रकाश एक मौन लालटेन की तरह आसपास को आलोकित करता है। दिन के हर पहर में मूर्ति एक भिन्न रूप में दिखती है; वह दर्शक से जल्दबाज़ी नहीं, बल्कि प्रतीक्षा और ध्यान माँगती है।

"ज़ेन संग्रह" Yardımcı की ज्यामितीय भाषा को एक जीवन-शैली से, सरलता, मौन और वर्तमान क्षण के प्रति सजगता के सिद्धांत से जोड़ता है। चाहे उद्यान के मध्य में हों या किसी भवन की दहलीज़ पर, ये मूर्तियाँ दर्शक को रुकने, देखने और शून्य को सुनने के लिए पुकारती हैं। रूप, सामग्री और स्थान के बीच का यह सामंजस्य मूर्ति को एक वस्तु से एक ध्यान-स्थल में बदल देता है।



001

Poetic Accumulation

कॉर्टेन स्टील



002

Intimus Nexus

कॉर्टेन स्टील



003



Intimus Nexus

कॉर्टेन स्टील



004

Genetic Movement

कॉर्टेन स्टील



005



Intimus Nexus

कॉर्टेन स्टील



006

Lyrical Whirl

कॉर्टेन स्टील



007



शीर्षकहीन

कॉर्टेन स्टील



008



शीर्षकहीन

कॉर्टेन स्टील



009

Lyrical Whirl

कॉर्टेन स्टील



010

Poetic Movement

कॉर्टेन स्टील



011

Intimus Nexus

कॉर्टेन स्टील



012

Mundus Silens

कॉर्टेन स्टील



013

शीर्षकहीन

कॉर्टेन स्टील



014

Confusion of Prism

कॉर्टेन स्टील

Prof. Dr. İlker Yardımcı

प्रो. डॉ. İlker Yardımcı एक मूर्तिकार, डिज़ाइनर और शिक्षाविद हैं, जिनका अभ्यास सार्वजनिक स्थलों की मूर्तिकला पर केंद्रित है। उन्होंने दोकुज़ एयलुल विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय के मूर्तिकला विभाग से स्नातक किया तथा उसी विश्वविद्यालय के ललित कला संस्थान से स्नातकोत्तर (2007) और 'कला में दक्षता' (2011) की उपाधि प्राप्त की। वे द्युज़जे विश्वविद्यालय के कला, डिज़ाइन और वास्तुकला संकाय के मूर्तिकला विभाग में प्रोफ़ेसर हैं, जहाँ वे शहरी परिवेश में मूर्तिकला, डिजिटल मूर्तिकला और कंप्यूटर-सहायित मूर्तिकला डिज़ाइन पढ़ाते हैं।

2008 बीजिंग ओलंपिक के लिए चयनित 'कन्फ़्यूज़न ऑफ़ प्रिज़्म' और 2022 बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के ओलंपिक पार्क के लिए चुनी गई 15 अंतरराष्ट्रीय मूर्तियों में से एक 'लिरिकल मैसेज' उन कृतियों में हैं जो अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक कला में कलाकार की स्थिति को परिभाषित करती हैं। उनकी कृतियाँ तुर्किये, चीन, अमेरिका, यूक्रेन, अर्जेंटीना, ताइवान, लक्ज़मबर्ग और चेक गणराज्य के चौकों, उद्यानों और संग्रहों में स्थापित हैं। उनकी प्रदर्शनियों में अंतरराष्ट्रीय बीजिंग कला द्विवार्षिकी (2012, 2017), लिह पाओ द्विवार्षिकी (ताइवान, 2014) और एश-सुर-अल्ज़ेट यूरोपीय सांस्कृतिक राजधानी मूर्तिकला प्रदर्शनी (लक्ज़मबर्ग, 2022) शामिल हैं। 2024 में उन्हें चाइना स्कल्पचर इंस्टीट्यूट और वुहू नगर जन सरकार द्वारा आयोजित वुहू मूर्तिकला विषयगत प्रदर्शनी 'कार्विंग द रिनाउन्ड सिटी ऑफ़ जियांगदोंग · शेपिंग वुहू ऑफ़ द एरा' में एक्सीलेंट अवॉर्ड प्राप्त हुआ।

ilker yardımcı

ज़ेन संग्रह

मौन का उद्यान: कॉर्टेन स्टील में शून्य, समय और ध्यान

सूची 2026

ilkeryardimci.com
mail@ilkeryardimci.com

चित्र सार्वजनिक स्थल प्रस्तावों के डिजिटल दृश्यांकन हैं।

© 2026 İlker Yardımcı. सर्वाधिकार सुरक्षित।